रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2018–20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

1979 2020

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –42 ● अंक –4 ● कानपुर 16 से 29 फरवरी 2020 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

उत्पीड़न रोकने के लिये

जागरुकता अभियान में लायी जायेगी तेज़ी

प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों का अवैध तरीके से किये जा रहे उत्पीड़न को कदापि बर्दाश्त नहीं किया जायेगा इस हेतु इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जागरूकता अभियान में तेजी लायी जायेगी, यह विचार बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने बोर्ड की परीक्षा समिति की बैठक के बाद उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कही, डा0 इदरीसी ने कहा कि अनेक जनपदों से ऐसी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय द्वारा जिले में पंजीयन के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है, हालांकि जानकारी प्राप्त करने पर अनेकों जानकारियां निर्मूल साबित हुई हैं फिर भी बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद द्वारा पिछले कुछ दिनों पहले कुछ जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों (जिसमें रायबरेली व बस्ती सम्मिलित हैं) को पत्र लिखकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया था जिसके परिणाम स्वरूप बस्ती जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संशोधित पत्र जारी किया तथा रायबरेली जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे जिसके कारण इन जनपदों की स्थिति सामान्य हो गयी है चिकित्सक स्वतन्त्रतापूर्वक प्रैक्टिस कर रहे हैं जबकि अन्य जनपदों में निरन्तर उत्पीड़न जारी है इस उत्पीड़न को रोकने के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए प्रदेश व्यापी दौरे किये जायेंगे तथा चिकित्सकों को उनके अधिकार के प्रति अद्यतन स्थिति से अवगत कराया जायेगा इसके साथ भ्रमण के दौरान जिलों के सक्षम अधिकारियों को भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जायेगा जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के कार्य में आ रहे व्यवधान को प्रभावी ढंग से रोका जा सके।

इस सम्बन्ध में शीघ्र ही चिकित्सक जागरूकता अभियान के राज्य संयोजकों के साथ जिला एवं मण्डलीय संयोजकों की बैठक आयोजित कर भावी रणनीति पर विचार कर कार्यक्रम को अन्तिम रूप दिया जायेगा ताकि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जागरूकता अभियान प्रदेश के कोने कोने तक पहुंचाया जा सके जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कार्य कर रहे चिकित्सकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जा सके इस अभियान का एक लक्ष्य यह भी होगा कि आम जन में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की छवि को बेहतर प्रस्तुत किया जा सके ताकि जन साधारण का सहयोग व समर्थन इलेक्ट्रो होम्योपैथी को पूर्व की भाँति प्राप्त हो सके हालांकि राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के पंजीयन के सम्बन्ध मे निस्तारित एक प्रतिवेदन के माध्यम से पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि केन्द्र सरकार द्वारा जो भी निर्देश उसे प्राप्त होंगे उसका पालन किया जायेगा इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही करने का न तो कोई प्रस्ताव है और न ही कोई रणनीति।

- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का बर्दाश्त नहीं किया जायेगा उत्पीड़न
- अनैतिक ढंग से उत्पीड़न न करने का C.M.O. ने दिया निर्देश
- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक जागरुकता को नया स्वरुप दिया जायेगा
- C.M.O. सहित सभी अधिकारी होंगे वास्तविकता से अवगत
- अब हर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक होगा संयोजक

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की परीक्षा समिति के सदस्यों के साथ डा0 एम0एच0इदरीसी(चेयरमैन) डा0 के0सी0 सिंघल, कानपुर, डा0 एस0के0सक्सेना मुरादाबाद, डा0 संजय कुमार द्विवेदी एवं डा0 राजेंन्द्र प्रसाद कानपुर – छाया गजट

विदित हो कि जिला मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालयों द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों के विरूद्ध जो कार्यवाही की जाती है वह पूर्णतयः अवैध एवं अनैतिक है इसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है इस प्रकार अवैध तरीके से कार्यवाही करने वालों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वास्तविकता एवं वैधानिकता को मानने के लिए विवश किया जायेगा यदि फिर भी अधिकारी हठधर्मी तथा अपनी मनमानी करते हैं तो उनके विरूद्ध उच्च अधिकारियों से शिकायत करते हुए आन्दोलन भी किया जायेगा।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को उनके अधिकारों के प्रति सजग करने के लिए आवश्यक है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जागरूकता अभियान को सजगता के साथ सघन रूप से चलाया जाये तथा जिला संयोजकों का यह दायित्व है कि वह अपने जनपद के प्रत्येक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर उनके अधिकारों के प्रति उन्हें जागरूक करें तथा उन्हें यह दायित्व दें कि वह भी अपने जनपद में प्रैक्टिस कर रहे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें इस प्रकार इस अभियान को इस गति से चलायें कि उनके जनपद के समस्त अधिकारियों के साथ साथ आम जन भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वास्तविक स्थिति से भली भांति अवगत हो सके इससे यह लाभ होगा कि जहां एक ओर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक का उत्पीड़न रूकेगा वहीं दूसरी ओर आम जन भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वास्तविक स्थिति से अवगत हो जायेंगे।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा विगत कई वर्षों से चलाये जा रहे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जागरूकता अभियान को एक नया स्वरूप देना चाहता है जिससे हर चिकित्सक संयोजक की भूमिका में हो एवं एक दूसरे का सहयोग करने में सक्षम हो।

BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE, U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001 E-mail registrarbehmup@gmail.com

PROGRAMME FOR EXAMINATION March 2019

Name of the course	25th March, 2020 Wednesday 1st. Meeting	2nd. Meeting	26th March, 2020 Thursday 1st. Meeting	2nd. Meeting	27th March, 2020 Friday 1st. Meeting	2nd. Meeting	28th March, 2020 Saturday 1st. Meeting
M.B.E.H. 1st. Professional	Anatomy 1st.	Anatomy 2nd.	Physiology 1st.	Physiology 2nd.	Pharmacy	Philosophy	XX
M.B.E.H. 2nd. Professional	Pathology 1st.	Pathology 2nd.	Hygiene & Health	Med. Jurisprudence & Toxicology	Materia Medica	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.
M.B.E.H. Final Professional	Midwifery & Gynaecology 1st.	Midwifery & Gynaecology 2nd.	Opthalmology incl. E.N.T. 1st.	Opthalmology incl. E.N.T. 2nd.	Materia Medica	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.
G.E.H.S. 1st. Professional	Anatomy 1st.	Anatomy 2nd.	Physiology incl. Bio-Chem. 1st.	Physiology incl. Bio-Chem. 2nd.	Pharmacy	Philosophy	XX
G.E.H.S. 2nd. Professional	Pathology incl. Micro.-Bio. 1st.	Pathology incl. Micro.-Bio. 2nd.	Forensic Science & Toxicology	Materia Medica	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.	XX
G.E.H.S. 3rd. Professional	Obstetrics & Gynaecology 1st.	Obstetrics & Gynaecology 2nd.	Opthalmology incl. E.N.T. 1st.	Opthalmology incl. E.N.T. 2nd.	Environmental Science	Materia Medica	XX
G.E.H.S. Final Professional	Materia Medica & Therapeutics	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.	Surgery	Physical & Health Education	XX	XX
P.G.E.H. 1st. Professional	Pharmacy	Philosophy	Materia Medica 1st.	Materia Medica 2nd.	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.	XX
P.G.E.H. Final Professional	Materia Medica 1st.	Materia Medica 2nd.	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.	XX	XX	XX
F.M.E.H. 1st. Semester	Anatomy& Physiology	XX	Pharmacy& Philosophy	XX	XX	XX	XX
F.M.E.H. 2nd. Semester	Pathology	XX	Hygiene & Health	XX	Environmental Science	XX	XX
F.M.E.H. 3rd. Semester	Opthalmology including E.N.T.	XX	Med. Jurisprudence & Toxicology	XX	Dietetics	XX	XX
F.M.E.H. Final Semester	Obstetrics & Gynaecology	XX	Materia Medica	XX	Practice of Medicine	XX	XX
A.C.E.H.	Anatomy& Physiology	XX	Pharmacy Philosophy & Materia Medica	XX	[illegible]	XX	[illegible]

Timing < 1st. Meeting : 8:00 A.M. to 11:00 A.M.
2nd. Meeting : 2:00 P.M. to 5:00 P.M.

Atiq Ahmad
Examination Incharge

नोटः– परीक्षा सम्बन्धी समाचार के लिये देखें पेज 4

दिशा भ्रमित होता आंदोलन

भारत सरकार , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय , स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता को लगभग अंतिम रुप देते हुये मात्र कुछ बिन्दंओं तक साक्ष्य एवं सूचनायें सीमित कर दी हैं जिसकी पूर्ति हेतु संयुक्त संशोधित परपोज़लकर्ता तथा परपोज़लकर्ताओं का दूसरा समूह प्रयत्नशील है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संगठनों एवं चिकित्सकों ने भी अपने निजी प्रयासों से भारत सरकार के दो केन्द्रीय मंत्रियों से सहयोग व समर्थन प्राप्त करने का आश्वासन भी प्राप्त कर लिया है, भारत सरकार , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय , स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने प्रपोज़लकर्ताओं को पत्र लिख कर वांछित की पूर्ति करने हेतु स्मरण कराया है स्थिति पूर्णतयः सामान्य एवं सकारात्मक दिशा में चल रही है, अनायास ही नये प्रयासों के माध्यम से सकारात्मक दिशा में चल रहे कार्य में अनजाने में ही नयी स्थिति निर्मित हो रही है जो मान्यता की दिशा को नया मोड़ दे रही है।

नये प्रयासों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता जो लगभग अंतिम क्षण में है उसे प्रारम्भिक अवस्था में पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, सम्भव है कि प्रयास करने वाले अपने इन प्रयासों से अन्जान हों परन्तु उनके प्रयोगों से ऐसा प्रतीत हो ता है कि वह कुछ ऐसा नया करना चाहते हैं कि वही और वही इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दुनिया में दिखें, देखा जाय तो यह प्रयास ऐसे समय में किया जा रहा कि जब लगभग मान्यता का प्रकरण अपने अंतिम चरण में है और उन्हें ऐसा आभास हो गया है कि मान्यता में उन्हें कुछ भी प्राप्त होने वाला नहीं है, इसी कारण उन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता को एक काउन्सिल के रुप में प्राप्त करने का एक नया प्रतिवेदन सरकार को यह कह कर प्रस्तुत कर दिया है कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी की एक काउन्सिल गठित कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान कर दे।

प्रतिवेदनकर्ता का यह प्रयास इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता को पुनः उसी स्थिति में पहुंचा रहा है जहां से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता का कार्यक्रम आरम्भ हुआ था और सरकार द्वारा इसको एक नया स्वरुप दे दिया गया है अर्थात नये प्रतिवेदन को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के स्थान पर मेडिकल एजुकेशन पॉलिसी को सौंप दिया गया है और उसने अपने विवेक से इस प्रस्ताव को आयुष मंत्रालय को संदर्भित कर दिया है आयुष मंत्रालय इस पर क्या निर्णय लेगा यह समझ से परे है क्योंकि भारत सरकार , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति में स्वास्थ्य मंत्रालय एवं आयुष मंत्रालय ही सम्मिलित हैं जिनके संयुक्त निर्णय से ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान की जानी है।

अन्तरविभागीय समिति की पूर्व बैठकों में आयुष मंत्रालय का दृष्टिकोण स्पष्ट किया जा चुका है, इससे स्वतः स्पष्ट है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा ही मान्यता प्रदान की जानी है, ऐसी स्थिति में आयुष मंत्रालय द्वारा पूर्व में जो कुछ भी कहा गया है उसमें किसी भी प्रकार का संशोधन कैसे सम्भव हो सकता है ?इसलिये प्रस्तुत नया प्रतिवेदन जो काउन्सिल गठित कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता दिलाने के लिये किया गया है उसका क्या प्रभाव होगा तथा आयुष मंत्रालय इस पर क्या निर्णय लेगा वह तो आने वाला समय ही बतायेगा, प्रतिवेदन प्रस्तुतकर्ताओं को अधिकार सीमित हैं लेकिन प्रतिवेदन प्रस्तुकर्ताओं को यह जान लेना चाहिये कि उनके इस प्रयास से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता की दिशा लाइन से भटक चुकी है क्योंकि अभी तक अन्तरविभागीय समिति का कार्यक्रम जो सकारात्मक दिश में अच्छा–खासा चल रहा था और उसे इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता देना था अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता न देकर काउन्सिल गठित करने की बात कह कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मामले को मेडिकल एजुकेशन पॉलिसी की ओर मोड़ दिया गया है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को किसी भी दशा में मान्यता प्रदान नहीं कर सकती है, ज्ञातव्य हो कि देश में मेडिकल एजुकेशन के रुप में एलोपैथी को मान्यता है जबकि अन्य चिकित्सा पद्धतियों को वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के रुप में सरकार द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है।

DESICCATORS

Desiccators are sealable enclosures containing desiccants used for preserving moisture-sensitive items such as cobalt chloride paper for another use. A common use for desiccators is to protect chemicals which are hygroscopic or which react with water from humidity.

The contents of desiccators are exposed to atmospheric moisture whenever the desiccators are opened. It also requires some time to achieve a low humidity. Hence they are not appropriate for storing chemicals which react quickly or violently with atmospheric moisture such as the alkali metals; a glovebox or Schlenk-type apparatus may be more suitable for these purposes.Desiccators are sometimes used to remove traces of water from an almost-dry sample. Where a desiccator alone is unsatisfactory, the sample may be dried at elevated temperature using Abderhalden's drying pistol.

In laboratory use, the most common desiccators are circular and made of heavy glass. There is usually a removable platform on which the items to be stored are placed. The desiccant, usually an otherwise-inert solid such as silica gel, fills the space under the platform. Colour changing silica may be used to indicate when it should be refreshed. Indication gels typically change from blue to pink as they absorb moisture but other colours may be used.

A desiccator is an air-tight enclosure that can be used in two methods. The first method is to remove moisture inside the desiccator to prevent moisture from damaging moisture sensitive samples such as electronics and chemical samples that may react to moisture. The second method is to preserve the moisture level inside the chamber and protecting a biological and carbon dating samples.

Here at Cleatech, we specialize in Dry Box Desiccators Manufacturing that meet the requirements for the semiconductor, biopharmaceutical, and medical device industry. Our desiccators are designed to lower the humidity level, down to 0% RH, inside a cabinet to prevent moisture from damaging the sample being stored.

We achieve 0% RH by introducing a desiccant, Nitrogen (N2), into the chamber. Nitrogen serves as an inert gas to replace air where oxidation is not needed. Since Nitrogen does not react with stored materials it can be isolated and purified relatively economically.

As an alternative desiccant that can be used inside a desiccator is silica gel cartridges. You may recall finding small packets filled with tiny beads inside a new pair of shoes. These are called silica gel package, a smaller version of a silica gel cartridge. These cartridges are best used when storing samples as they will pull moisture from the chamber.

Laboratory Desicctor in India

पैर पसारता कोरोना वायरस

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में इलाज

D.L.M. स्टडी सेन्टर महाराजगंज ने निकाली जागरूकता रैली

कोरोना वायरस का सम्बन्ध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से साधारण जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है इस वायरस को इससे पूर्व कभी न तो देखा गया है और न ही सुना गया था, कोरोना वायरस का संक्रमण दिसम्बर माह में चीन के वुहॉन शहर में पाया गया था, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार बुखार, खांसी, श्वांस लेने में कष्ट आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं (देखा जाये तो हमारे भारत वर्ष में यह सारे लक्षण एक आम बीमारी समझे जाते हैं और इनकी गिनती भी एक साधारण मौसमी बीमारी को समझकर कर इलाज किया जाता है परन्तु यदि यह वायरस मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर गया तो कदापि इसे साधरण न समझें यह आपकी जीवन लीला एक झटके में समाप्त कर सकता है) अब तक इस वायरस को फैलने से रोकने वाला कोई टीका भी नहीं बना है।

चीन में तो कोरोना वाइरस को लेकर दहशत का ऐसा माहौल हो गया है कि लोग डर के कारण घरों से भी निकलना नहीं चाह रहे हैं, ऐसे में वहां की सरकार को एक और परेशानी झेलनी पड़ रही है कि कैसे ऐसे रोगियों को चिन्हित किया जाना चाहिये ! चीन से शुरु हुआ यह वायरस विश्व के अनेक देशों श्रीलंका, इण्डोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, तिब्बत, आदि अनेक देशों में तेजी के साथ पैर पसार रहा है, कोरोना वायरस की चपेट में आने से चीन में मरने वालों के आंकड़े का ग्राफ बड़ी तेजी से ऊपर उठ रहा है, वहीं हमारे देश भारत में भी कोरोना वायरस के मामले की पुष्टि हो चुकी है, जो सावधान होने का बिगुल भी है, भारत सरकार चीन के वुहॉन में भारतियों को स्वदेश वापस बुला रही है एवं इसके लिये विशेष रणनीति भी तय हो गयी है, इसके अतिरिक्त विश्व स्वास्थ्य संगठन कोरोना वायरस को अन्तराष्ट्रीय इमेरजेन्सी भी घोषित कर चुका है, उसने यह भी कहा है कि चीन के बाहर 24 देशों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुयी है, इन देशों में थाइलैन्ड, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, अमरीका, फान्स, जर्मनी एवं संयुक्त अरब अमीरात आदि सम्मिलित हैं।

कोरोना वायरस बीमारी के लक्षण

कोरोना वायरस के प्रमुख लक्षणः– बुखार, जुकाम, सांस लेने में कष्ट, नाक का लगातार बहना एवं गले में खराश जैसी समस्या उत्पन्न होती है, यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है इसलिये इसके प्रति कठोर सावधानी बरतनी चाहिये।

कोरोना वायरस से बचाव के उपाय

कोरोना वायरस से बचाव के लिये भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिशा निर्देश जारी कर दिये हैं जिसके अनुसार साबुन से अच्छी तरह हाथ को धोना चाहिये (अच्छा होगा कि हाथ गुनगुने पानी से धोया जाये), अलकोहल आधारित हैण्ड–रब का भी प्रयोग किया जा सकता है, खांसते एवं छींकते समय नाक एवं मुंह पर रुमाल या टिशु–पेपर से ढक कर रखें, जिन व्यक्तियों में कोल्ड व फ्लू के लक्षण हों तो उनसे दूरी बना कर रखें, जंगली जानवरों के सम्पर्क में आने से बचें।

इन बातों का ध्यान रख स्वंय को संक्रमण से बचा सकते हैं, भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बचाव के प्रति आम नागरिकों को जागरुक करें तथा स्वंय एवं परिवार को सुरक्षित रखने के लिये सरकार द्वारा जारी प्रोटोकाल का ध्यान रखें।

कोरोना वायरस और इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इलाज

बचाव के लिये **S1+Y.E.** की ड्राप दिन में चार बार, कोरोना वायरस के लक्षण होने पर **S1+F1+Ver1** दिन में चार बार **S10+Y.E.** दिन में दो बार,।

नोटः– अनजान स्वंय चिकित्सा करने का प्रयास न करें अपितु अपने निकटतम इलेक्ट्रो होम्योपैथ चिकित्सक से परामर्श करें।

नौतनवा–महाराजगंज–डी0एल0एम0 स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी द्वारा कोरोना वायरस से बचने के लिये एक जागरुकता रैली जयहिन्द चौराहा से प्रारम्भ होकर घण्टाघर चौक, अटल चौक, जैसवाल मुहल्ला, खनुआ चौराहा होते हुये गांधी चौक सेन्टर पर समाप्त हुयी, रैली में बहुतायत संख्या में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के शिक्षार्थी सम्मिलित हुये, रैली के मार्ग में पड़ने वाले सभी घरों एवं दुकानों तथा राहगीरों को भी कोरोना वायरस से बचाव से सम्बन्धित पम्फलेट वितरित किये गये जागरुकता रैली के आयोजक डा0 प्रिंस श्रीवास्तव ने लोगों को यह भी बताया कि कोरोना वायरस के लक्षण सांस लेने में कष्ट, गले में रुंधन व पीड़ा के साथ–साथ सर्दी व खांसी आदि के प्रारम्भिक लक्षण होते हैं, उन्होंने बताया कि समुद्री मछली से परहेज करें छींकने व खांसते समय मुंह पर रुमाल का प्रयोग करें, साफ–सफाई रखें व जानवरों के सीधे सम्पर्क से बचें, मेला, विवाह व जनसमूह में जाने से सावधानी बरतें।

डी0एल0एम0 स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी द्वारा कोरोना वाइरस जागरुकता रैली का शुभारम्भ करते हुये स्टाफ शिक्षार्थी एवं एस0एच0ओ0 थाना महाराजगंज

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की परीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

25 मार्च से प्रारम्भ होंगी वार्षिक व सेमेस्टर परीक्षायें

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 5–2–2020 को बोर्ड के प्रशा0 कार्यालय 127/204 एस0 जूही, कानपुर में परीक्षा समिति के अध्यक्ष डा0 के0 सी0 सिंघल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें डा0 एस0 के0 सक्सेना, डा0 संजय कुमार द्विवेदी एवं डा0 राजेन्द्र प्रसाद उपस्थित हुए. समिति के सचिव बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने परीक्षा की तैयारी के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा की तैयारी की जा रही है बोर्ड द्वारा संचालित सभी कोर्सों क्रमशः **F.M.E.H., M.B.E.H., G.E.H.S., P.G.E.H.** एवं **A.C.E.H.** की परीक्षायें 25 मार्च से प्रस्तावित हैं परीक्षा समिति ने विचारोपरांत परीक्षा कार्यक्रम अनुमोदित किया, रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने परीक्षाओं की तैयारी एवं व्यवस्था के सम्बन्ध में अवगत कराया कि परीक्षायें दो पालियें में होंगी, प्रथम पाली का समय प्रातः 8 बजे से प्रारम्भ होगा जो पूर्वाह 11 बजे समाप्त होगा, 11 बजे से अपरांह 2 बजे के मध्य केन्द्र व्यवस्थापक प्रथम पाली में हुयी परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं को क्रमबद्ध ढंग से कोर्स व रोल नम्बर के अनुसार पैकेट तैयार कर सील करेंगे एवं द्वितीय पाली की कापियों व परीक्षा प्रश्नपत्र पैकेट परीक्षा हॉल/ कमरों में समय से पहुंचाने की व्यवस्था करेंगे, इसी प्रकार द्वितीय पाली जो अपरान्ह 2 बजे से प्रारम्भ होगी एवं सांय 5 बजे समाप्त होगी उसकी भी उत्तर पुस्तिकायें उपरोक्त की भांति ही पैक व सील की जायेंगीं जो उसी दिन नोडल सेन्टर में जमा कर दी जायेंगी अंतिम दिन की परीक्षा केवल एक पाली में होगी और उसी दिन (यदि कापियां नोडल सेन्टर में जमा नहीं की गयी हैं) अथवा अगले दिन उत्तर पुस्तिकाओं को पैक व सील की जायेंगी, जिन सेन्टरों / समस्त परीक्षा केन्द्रों को प्रवेश पत्र एव परीक्षा सामग्री परीक्षा से एक सप्ताह पूर्व केन्द्रों को प्राप्त करा दी जायेंगी, समिति ने सचिव/रजिस्ट्रार को अधिकृत करते हुए कहा कि वह अपने स्तर से परीक्षा सम्पन्न करायें तथा जो भी आवश्यक हो वह करें।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की परीक्षा समिति के सदस्यों के साथ डा0 अतीक अहमद (रजिस्ट्रार) डा0 के0 सी0 सिंघल, कानपुर, डा0 एस0 के0 सक्सेना मुरादाबाद, डा0 संजय कुमार द्विवेदी एवं डा0 राजेन्द्र प्रसाद कानपुर दो मार्च 2020 की परीक्षा पर चर्चा करते हुये– छाया गजट

समिति के सदस्यों ने यह भी कहा कि सचिव/रजिस्ट्रार परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापकों को यह भी निर्देशित करें कि वह अपने जनपद के स्थानीय समाचार पत्रों में परीक्षा की सूचना प्रकाशित करायें जिससे परीक्षा का प्रचार प्रसार हो सके, सचिव/रजिस्ट्रार ने यह भी बताया कि यदि आवश्यक हुआ तो भावी परीक्षा में उड़नदस्ते का भी गठन किया जायेगा जिससे परीक्षाओं की पारिदर्शिता सुचयता बनी रहे रजिस्ट्रार ने कहा कि वह प्रबन्ध कमेटी के सदस्यों से यह अनुरोध करेंगे कि वह अपनी सुविधानुसार जिन केन्द्रों में परीक्षा हो रही है उनका निरीक्षण करने का कष्ट करें, यदि आवश्यक समझें तो प्रशासन द्वारी भी निरीक्षण करायें ताकि सरकार को परीक्षाओं के बारे में समुचित जानकारी हो सके। इन्सटीटयूट में मौखिक परीक्षा होनी है वे मौखिक परीक्षा अगले कार्य दिवस में सम्पन्न करा कर सारी स्लिपों सहित उत्तर पुस्तिकाओं के साथ प्रशासनिक कार्यालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करें, उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी परीक्षा के समय परीक्षा केन्द्रों का स्थलीय निरीक्षण किया जायेगा, जिससे यह देखा जा सके कि परीक्षा केन्द्रों में विधिवत परीक्षा हो रही है या नहीं, हालांकि परीक्षाओं को पारदर्शी व नकल मुक्त बनाने के लिए व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं डा0 अतीक अहमद ने यह भी कहा कि परीक्षा शान्ति पूर्वक सम्पन्न हो, इस हेतु परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया जायेगा कि किसी प्रकार की अव्यवस्था हो तो रजिस्ट्रार से तुरन्त सम्पर्क करें जिससे पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन से सहयोग लिया जा सके, रजिस्ट्रार ने यह भी बताया कि

Electro Homoeopathic Medical Association of India
(An Organization of Electro Homoeopathic Practitioners & Institutions)
Central Office: C-617 Nirman Chowk, Madanpur Khadar Extn. New Delhi-110076
Adm.Office: 8-Lal Bagh, Lucknow-226001 E-mail : ehmaki@gmail.com

NOTICE

All Registered Members of Electro Homoeopathic Medical Association of India (E.H.M.A.I.) are hereby informed to renew their membership immediately, you can see your status on www.behm.org.in by clicking link State wise List of Practitioners as shown in bottom on Home Page.

You can Renew your membership using net banking or by Transfer through RTGS / NEFT vide account number 200100100053620 I.F.S.C. Code No:- UTIB0SBMCB1 (Bombay Mercantile Co-operative Bank Ltd. Branch Daryaganj, New Delhi-110002 and if you need any other assistance or have any quarries regarding Membership please do not hesitate to contact us.

जन जागरूगता अभियान
कोरोना वायरस

यह कई वायरसो का समूह है जो सर्वप्रथम चाइना में पाया गया जहाँ की स्थिति बहुत ही भयावह है।

कोरोनो वायरस के लक्षण

साँस लेने मे तकलीफ, गले मे दर्द
सिर दर्द के साथ बुखार, सर्दी, खाँसी

–: बचाव :–

1. समुद्री मछली खाने से परहेज ।
2. छीकने, खासजे के समय रुमाल का प्रयोग ।
3. साफ – सफाई ।
4. जानवरों के सम्पर्क में सीधे न आये ।
5. माता, बहने, मेले, शादीयों एवं जन – समूह में सावधानी बरतें ।

हम नौतनवा विधान सभा मे हैं विदेश से सटे है जहाँ की आधी आबादी विदेश से सम्बन्ध रखता है जो विदेश से घर मे आये बिना नहाये परिवार के सम्पर्क मे न आये ।

DLM मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रोहोमियोपैथी
नौतनवा, महराजगंज ● डा0 प्रिन्स कुमार श्रीवास्तव
प्रवक्ता– बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रोहोमियोपैथिक मेडिसीन उ0 प्र0
जिलाध्यक्ष – इलेक्ट्रोहोमियोपैथस एसोसिएसन महराजगंज